101. 'ग्रन्थि' काव्य-संग्रह के रचयिता हैं—
(अ) सुमित्रानन्दन पन्त
(ब) महादेवी वर्मा
(स) रामधारीसिंह 'दिनकर'
(द) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'।

102. 'बिहारी-सतसई' काव्यग्रन्थ है—
अथवा 'बिहारी-सतसई' की भाषा है—
(अ) ब्रजभाषा (का) (ब) खड़ीबोली (का)
(स) अवधी (का) (द) भोजपुरी (का)।

103. 'बिहारी-सतसई' में दोहों की संख्या है—
(अ) 700 (ब) 713
(स) 719 (द) 724.

104. 'कविकुल कल्पतरु' रचना है—
(अ) मतिराम की (ब) कुलपति मिश्र की
(स) चिन्तामणि की (द) भूषण की।

105. रीतिकाल का अन्य नाम है—
(अ) स्वर्णकाल (ब) उद्भवकाल
(स) श्रृंगारकाल (द) संक्रान्तिकाल।

106. रीतिकाल की कृति है—
(अ) रसमंजरी (ब) प्रेमसागर
(स) आर्य सप्तशती (द) बिहारी सतसई।

modelpaper.info

107. 'कठिन काव्य का प्रेत' कहा जाता है—
अथवा 'कठिन काव्य का प्रेत' कहलाते हैं—
(अ) घनानन्द (को) (ब) भूषण (को)
(स) केशव (को) (द) पद्माकर (को)।

108. 'रामचन्द्रिका' रचना है—
(अ) केशवदास की (ब) पद्माकर की
(स) चिन्तामणि की (द) घनानन्द की।

109. 'शिवा बावनी' के रचयिता हैं—
(अ) तुलसीदास (ब) भूषण
(स) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (द) मैथिलीशरण गुप्त।

110. 'रीतिकाल' को 'श्रृंगारकाल' नाम दिया है—
अथवा रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी-साहित्य के जिस काल को 'रीतिकाल' कहा है, उसे 'श्रृंगारकाल' नाम दिया है—
(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने
(ब) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने
(स) आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र ने
(द) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी ने।

111. रीतिकालीन कवि हैं—
(अ) मीराबाई (ब) रसखान
(स) द्विजदेव (द) विद्यापति।

112. 'रसिकप्रिया' रचना है—
(अ) मतिराम की (ब) केशवदास की
(स) नरपति नाल्ह की (द) सुमित्रानन्दन पन्त की।

113. रामचन्द्र शुक्ल ने जिस काल को 'वीरगाथाकाल' कहा है, उसे 'आदिकाल' कहा है—
(अ) राहुल सांकृत्यायन ने (ब) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी
(स) डॉ० रामकुमार वर्मा ने (द) डॉ० धीरेन्द्र वर्मा ने।

114. आदिकाल का नाम अपभ्रंशकाल दिया है—
(अ) मिश्रबन्धु ने (ब) राहुल सांकृत्यायन ने
(स) महावीरप्रसाद द्विवेदी ने (द) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने।

115. रीतिकालीन कवि हैं—
(अ) जगनिक (ब) मतिराम
(स) विद्यापति (द) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'।

116. वीर रस की कृति है—
(अ) बिहारी-सतसई (ब) सूरसागर
(स) शिवा बावनी (द) प्रियप्रवास।

117. रीतिकालीन कवि हैं—
(अ) केशवदास (ब) जयशंकरप्रसाद
(स) तुलसीदास (द) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'।

118. भक्तिकाल की कृति है—
(अ) साकेत (ब) पार्वती-मंगल
(स) कामायनी (द) पृथ्वीराज रासो।

119. आधुनिक हिन्दी काव्य का 'वैतालिक' कहा जाता है—
(अ) जयशंकरप्रसाद (ब) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(स) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (द) रामधारीसिंह 'दिनकर'।

120. भारतेन्दु युग की रचना हैं—
(अ) प्रेम-माधुरी (ब) कामायनी
(स) निरुपमा (द) युगवाणी।

modelpaper.info

121. जगन्नाथदास 'रत्नाकर' की कृति है—
(अ) प्रेम-मालिका (ब) उद्धव-शतक
(स) रसकलश (द) अनामिका।

122. निम्न में से कौन 'खड़ीबोली' का प्रथम महाकाव्य है—
(अ) वैदेही वनवास (ब) प्रियप्रवास
(स) साकेत (द) कामायनी।

123. सुमित्रानन्दन पन्त की रचना नहीं है—
(अ) उच्छ्वास (ब) ग्राम्या
(स) उत्तरा (द) अणिमा।

124. 'झरना' के रचयिता हैं—
(अ) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (ब) मैथिलीशरण गुप्त
(स) जयशंकरप्रसाद (द) महादेवी वर्मा।

125. 'झरना' की रचना हुई—
(अ) प्रगतिवादी युग में (ब) द्विवेदी युग में
(स) छायावाद युग में (द) छायावादोत्तर युग में।

126. छायावाद की विशेषता है—
(अ) उपदेशात्मक कृति (ब) इतिवृत्तात्मकता
(स) सौन्दर्य और प्रेम (द) शृंगार वर्णन।

127. छायावाद की मुख्य विशेषता है—
(अ) प्रकृति का सूक्ष्म चित्रण (ब) युद्धों का वर्णन
(स) यथार्थ चित्रण (द) भक्ति की प्रधानता।

128. सुमित्रानन्दन पन्त की रचना नहीं है—
(अ) पल्लव (ब) वीणा
(स) रसवन्ती (द) लोकायतन।

129. इनमें से किस समय-सीमा को 'द्विवेदी युग'* के नाम से जाना जाता है—
(अ) सन् 1868 से 1900 ई० तक
(ब) सन् 1919 से 1938 ई० तक
(स) सन् 1900 से 1922 ई० तक
(द) सन् 1938 से 1943 ई० तक।

130. 'प्रकृति का सुकुमार कवि' किसको कहा गया है—
(अ) रामधारीसिंह 'दिनकर' (ब) जयशंकरप्रसाद
(स) सुमित्रानन्दन पन्त (द) महादेवी वर्मा।

131. 'आँसू' की रचना किस कवि ने की—
अथवा आँसू के रचनाकार हैं—
(अ) बिहारी (ब) नरपति नाल्ह
(स) जयशंकरप्रसाद (द) अज्ञेय।

132. जयशंकरप्रसाद की रचना है—
(अ) आवारा मसीहा (ब) नासिकेतोपाख्यान
(स) कामायनी (द) पल्लव।

133. 'गीतिका' काव्य-संग्रह के रचनाकार हैं—
(अ) जयशंकरप्रसाद (ब) सुमित्रानन्दन पन्त
(स) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (द) महादेवी वर्मा।

134. 'सन्धिनी' गीत-संग्रह है—
(अ) कीर्ति चौधरी का (ब) सुमन राजे का
(स) शकुन्तला माथुर का (द) महादेवी वर्मा का।

135. 'तोड़ती पत्थर' रचना है—
(अ) जयशंकरप्रसाद की (ब) 'निराला' की
(स) महादेवी वर्मा की (द) रामकुमार वर्मा की।

136. 'अणिमा' के रचयिता हैं—
modelpaper.info
(अ) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ब) जयशंकरप्रसाद
(स) सुमित्रानन्दन पन्त (द) डॉ० रामकुमार वर्मा।

137. 'प्रियप्रवास' काव्यकृति का मुख्य रस है—
(अ) संयोग शृंगार (ब) करुण
(स) वियोग शृंगार (द) शान्त।

138. छायावाद के प्रवर्त्तक माने जाते हैं—
(अ) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ब) जयशंकरप्रसाद
(स) सुमित्रानन्दन पन्त (द) महादेवी वर्मा।

139. 'चिदम्बरा' के रचनाकार हैं—
(अ) मैथिलीशरण गुप्त (ब) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(स) सुमित्रानन्दन पन्त (द) सोहनलाल द्विवेदी।

140. 'नौका-विहार' कविता किस कृति से अवतरित है—
(अ) 'गुंजन' से (ब) 'वीणा' से
(स) 'पल्लव' से (द) 'युगान्त' से।

141. सुमित्रानन्दन पन्त को 'भारतीय ज्ञानपीठ' पुरस्कार मिला था—
(अ) 'चिदम्बरा' पर (ब) 'लोकायतन' पर
(स) 'कला और बूढ़ा चाँद' पर (द) 'उर्वशी' पर।

142. निम्नलिखित में छायावादयुगीन कवि नहीं हैं—
(अ) जयशंकरप्रसाद (ब) सुमित्रानन्दन पन्त
(स) मैथिलीशरण गुप्त (द) महादेवी वर्मा।

143. शोषण का विरोध एवं शोषकों के प्रति घृणा किस काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ मानी गई हैं—
(अ) छायावाद (ब) प्रगतिवाद
(स) प्रयोगवाद (द) नई कविता।

144. निम्नलिखित में से किस ग्रन्थ के रचनाकार चन्दबरदाई हैं—
(अ) बीसलदेव रासो (ब) पृथ्वीराज रासो
(स) खुमान रासो (द) सन्देश रासक।

145. छायावाद युग का समय कब-से-कब तक माना जाता है—
(अ) सन् 1938 से 1943 ई०
(ब) सन् 1868 से 1900 ई०
(स) सन् 1918 से 1938 ई०
(द) सन् 1900 से 1922 ई०।

146. निम्नलिखित कवियों में से 'राष्ट्रकवि' की उपाधि (सम्मान) से विभूषित किया गया है—
(अ) रामकुमार वर्मा को (ब) मैथिलीशरण गुप्त का
(स) महादेवी वर्मा को (द) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' को।

147. 'शृंगार लहरी' रचना है—
(अ) सूरदास की (ब) मतिराम की
(स) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' की (द) महादेवी वर्मा की।

148. 'गंगावतरण' के रचयिता हैं—
(अ) बिहारी (ब) भूषण
(स) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (द) सुमित्रानन्दन पन्त।

149. जयशंकरप्रसाद की रचना है—
(अ) अनामिका (ब) पल्लव
(स) रश्मि (द) कामायनी।

150. छायावाद युग की कृति है—
(अ) गीतावली (ब) बिहारी सतसई
(स) कामायनी (द) द्वापर।

modelpaper.info

151. 'प्रेमपथिक' के रचयिता हैं—
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) जयशंकरप्रसाद
(स) महादेवी वर्मा (द) सुमित्रानन्दन पन्त।

152. महादेवी वर्मा की रचना है—
(अ) झरना (ब) गुंजन
(स) रत्नाष्टक (द) यामा।

153. 'यामा' रचना है—
(अ) जयशंकरप्रसाद की (ब) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की
(स) महादेवी वर्मा की (द) रामकुमार वर्मा की।

154. 'नीहार' कृति है—
(अ) जयशंकरप्रसाद की (ब) महादेवी वर्मा की
(स) सुमित्रानन्दन पन्त की (द) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की।

155. आधुनिक युग की मीरा है—
(अ) महादेवी वर्मा (ब) सुभद्राकुमारी चौहान
(स) सुमित्राकुमारी चौहान (द) इनमें से कोई नहीं।

156. 'कामायनी' महाकाव्य के रचयिता हैं—
अथवा 'कामायनी' रचना है—
(अ) मैथिलीशरण गुप्त (ब) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(स) जयशंकरप्रसाद (द) रामधारीसिंह 'दिनकर'।

157. 'कानन-कुसुम' के रचनाकार हैं—
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) जयशंकरप्रसाद
(स) निराला (द) महादेवी वर्मा।

158. 'कामायनी' महाकाव्य में सर्गों की संख्या है—
(अ) नौ (ब) बारह
(स) पन्द्रह (द) सत्रह।

159. 'कामायनी' किस युग की रचना है—
(अ) भारतेन्दु युग (ब) द्विवेदी युग
(स) छायावादी युग (द) प्रगतिवादी युग।

160. 'कामायनी' में 'श्रद्धा सर्ग' किस सर्ग के बाद है—
(अ) आशा सर्ग (ब) चिन्ता सर्ग
(स) काम सर्ग (द) लज्जा सर्ग।

161. 'कामायनी' के प्रथम सर्ग का नाम है—
(अ) 'चिन्ता' (ब) 'आशा'
(स) 'श्रद्धा' (द) 'इड़ा'।

162. सुमित्रानन्दन पन्त सुकुमार कवि हैं—
(अ) प्रकृति के (ब) शृंगार के
(स) ज्ञान के (द) भक्ति के।

163. 'राम की शक्ति पूजा' कविता के रचयिता हैं—
(अ) जयशंकरप्रसाद (ब) मैथिलीशरण गुप्त
(स) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (द) 'अज्ञेय'।

164. सुमित्रानन्दन पन्त को 'चिदम्बरा' कृति पर पुरस्कार मिला था—
(अ) भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार (ब) भारत-भारती पुरस्कार
(स) साहित्य अकादमी पुरस्कार (द) स्वर्णमाल पुरस्कार।

165. 'पल्लव' के रचयिता हैं—
(अ) सुमित्रानन्दन पन्त (ब) दिनकर
(स) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (द) रामकुमार वर्मा।

166. छायावादी काव्य की वृहद्-त्रयी के रचनाकार नहीं हैं—
(अ) प्रसाद (ब) पन्त
(स) निराला (द) महादेवी।

modelpaper.info

167. निम्नलिखित में छायावादी कवि हैं—
(अ) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (ब) मैथिलीशरण गुप्त
(स) रामधारीसिंह 'दिनकर' (द) जयशंकरप्रसाद।

168. जयशंकरप्रसाद की रचना है—
(अ) युगवाणी (ब) अनामिका
(स) लहर (द) साकेत।

169. निम्नलिखित में से कौन-सी पन्तजी की प्रगतिवादी रचना मानी जाती है—
(अ) पल्लव (ब) युगान्त
(स) गुंजन (द) वीणा।

170. 'परशुराम की प्रतीक्षा' किस कवि की कृति है—
(अ) निराला (ब) बच्चन
(स) अज्ञेय (द) दिनकर।

171. 'स्वर्ण किरण' पन्तजी का किस वर्ग का काव्य-ग्रन्थ है—
(अ) छायावादी (ब) प्रगतिवादी
(स) अंतश्चेतनाकारी (द) नवमानवतावादी।

172. 'सरोज स्मृति' की रचना की—
अथवा 'सरोज स्मृति' के रचयिता हैं—
(अ) दिनकर (ने) (ब) अज्ञेय (ने)
(स) निराला (ने) (द) पन्त (ने)।

173. छायावादी कवि हैं—
(अ) सुमित्रानन्दन पन्त
(ब) नागार्जुन
(स) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(द) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'।

174. सुमित्रानन्दन पन्त की रचना नहीं है—
(अ) उच्छ्वास (ब) ग्राम्या
(स) उत्तरा (द) अणिमा।

175. 'साकेत' महाकाव्य के रचयिता हैं—
अथवा 'साकेत' रचना है—
(अ) तुलसीदास (ब) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
(स) रामधारीसिंह 'दिनकर' (द) मैथिलीशरण गुप्त।

176. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' किस युग के कवि हैं—
(अ) भारतेन्दु युग (ब) प्रगतिवाद युग
(स) द्विवेदी युग (द) छायावाद युग।

177. गीत-संकलन 'पारिजात' किसकी कृति है—
(अ) मैथिलीशरण गुप्त
(ब) महादेवी वर्मा
(स) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(द) जयशंकरप्रसाद।

178. निम्न में से जयशंकरप्रसाद की काव्य कृति है—
(अ) इत्यलम् (ब) अनामिका
(स) द्वापर (द) चित्राधार।

179. निम्न में से मैथिलीशरण गुप्त का पहला* काव्य-संग्रह है—
(अ) यशोधरा (ब) भारत-भारती
(स) सिद्धराज (द) पंचवटी।

180. मैथिलीशरण गुप्त की प्रथम पुस्तक है—
(अ) अनघ (ब) रंग में भंग
(स) पंचवटी (द) सिद्धराज।

modelpaper.info

181. द्विवेदी युग की रचना नहीं है—
(अ) प्रियप्रवास (ब) भारत-भारती
(स) आँसू (द) साकेत।

182. 'साकेत' की नायिका है—
(अ) यशोधरा (ब) उर्मिला
(स) राधा (द) द्रौपदी।

183. रामधारीसिंह 'दिनकर' की रचना नहीं है—
(अ) कुरुक्षेत्र (ब) हिण्डोला
(स) रेणुका (द) हुंकार।

184. 'प्रयोगवाद' को 'नई कविता' की संज्ञा दी—
(अ) गिरिजाकुमार माथुर (ब) केदारनाथ सिंह
(स) अज्ञेय (द) धर्मवीर भारती।

185. चिन्तामणि कवि हैं—
(अ) रीतिसिद्ध वर्ग के (ब) रीतिमुक्त वर्ग के
(स) रीतिरहित वर्ग के (द) रीतिबद्ध वर्ग के।

186. 'प्रेम माधुरी' के रचयिता हैं—
(अ) प्रतापनारायण मिश्र (ब) बालकृष्ण भट्ट
(स) लाला श्रीनिवासदास (द) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र।

187. मैथिलीशरण गुप्त की रचना है—
अथवा मैथिलीशरण गुप्त की महाकाव्यात्मक कृति है—
(अ) प्रियप्रवास (ब) साकेत
(स) कामायनी (द) लोकायतन।

188. निम्न में से कौन मैथिलीशरण गुप्त की रचना है—
(अ) आँगन के पार द्वार (ब) अनघ
(स) युगवाणी (द) परशुराम की प्रतीक्षा।

189. 'भारतीय ज्ञानपीठ' पुरस्कार नहीं मिला है—
(अ) सुमित्रानन्दन पन्त को (ब) मैथिलीशरण गुप्त को
(स) रामधारीसिंह 'दिनकर' को (द) महादेवी वर्मा को।

190. द्विवेदी युग की कृति है—
(अ) मेघदूत (ब) द्वापर
(स) रसवन्ती (द) चित्राधार।

191. द्विवेदी युग का महाकाव्य नहीं है—
(अ) प्रियप्रवास (ब) साकेत
(स) कामायनी (द) द्वापर।

192. 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन-वर्ष है—
अथवा 'अज्ञेय' द्वारा सम्पादित 'दूसरा सप्तक' का प्रकाशन-वर्ष है-
(अ) सन् 1943 ई० (ब) सन् 1951 ई०
(स) सन् 1959 ई० (द) सन् 1976 ई०।

193. 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन-वर्ष है—
(अ) सन् 1959 ई० (ब) सन् 1954 ई०
(स) सन् 1951 ई० (द) सन् 1957 ई०।

194. 'चुभते चौपदे' के रचनाकार हैं—
(अ) सुमित्रानन्दन पन्त (ब) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(स) मैथिलीशरण गुप्त (द) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'।

modelpaper.info

195. तुलसी ने 'श्रीरामचरितमानस' की रचना की है—
(अ) ब्रजभाषा में (ब) भोजपुरी में
(स) अवधी में (द) खड़ीबोली में।

196. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है—
(अ) साकेत (ब) पल्लव
(स) प्रियप्रवास (द) गीत।

197. 'भारत-भारती' के रचनाकार हैं—
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) श्रीधर पाठक
(स) मैथिलीशरण गुप्त (द) महादेवी वर्मा।

198. बिहारीलाल ने प्रमुख रूप से किस छन्द में रचना की है—
(अ) चौपाई (ब) दोहा
(स) कुण्डलिया (द) सवैया।

199. 'नौका-विहार' कविता का सम्बन्ध किस नदी से है—
(अ) गंगा (ब) यमुना
(स) सरस्वती (द) घाघरा।

200. प्रयोगवादी काव्यधारा के कवि हैं—
(अ) महादेवी वर्मा (ब) सुमित्रानन्दन पन्त
(स) निराला (द) गिरिजाकुमार माथुर।